पाठ 5 ऊंट और पहाड़

ऊंट और पहाड़ एक कविता है इस कविता में ऊंट के बारे में कहा गया है वह अपने आप को सबसे ऊंचा मानता है और लंबी गर्दन के कारण हमेशा अपना सिर ऊंचा रखता है उसमें इतना अकड़ है कि वह अपने सिर को नीचा नहीं करता और इसी अकड़ में वह पहाड़ से टकरा जाता है इसीलिए कहा गया है कि अब आया ऊंट पहाड़ के नीचे।

कठिन शब्द

लंबी ऊंट पहाड़ मस्ती खोपड़ी कमाल गर्दन नीचे ऊंची अकड़

शब्दार्थ

क) कमाल - हैरानी
ख) अकड़ा अकड़ा -- घमंड से भरा
ग) चितेरा -- देखने वाला , दर्शक
घ) खोपड़ी - सिर

प्रश्न 1) रिक्त स्थान में उचित शब्द भरिए –

क) मस्ती
ख) ऊंचा
ग) गर्दन
घ) पड़ा

प्रश्न 2) प्रश्नों के उत्तर लिखो –

क) ऊंट की गर्दन कैसी थी ?
उत्तर – उनकी गर्दन लंबी और सबसे ऊंची थी ।
ख) ऊंट क्या-क्या खा रहा था ?
उत्तर – ऊंट पेड़ के पत्ते और ऊंचे फल खा रहा था ।
ग) जिसे देखकर ऊंट की अकड़ समाप्त हो गई ?
उत्तर – पहाड़ को देखकर ऊंट की अकड़ समाप्त हो गई ।
व्याकरण ज्ञान – विशेषता बताने वाले विशेषण शब्दों को उनके उचित संज्ञा शब्दों के विशेष से मिलाइए
क) मस्त – चाल
ख) ऊंचा – सिर
ग) ऊंची – गर्दन
घ) नीची – खोपड़ी
ङ) हरे – पत्ते

X----------X----------X----------X